म.प्र. राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
सा विद्या या विमुक्तये

शिक्षा का अधिकार
सर्व शिक्षा अभियान
सब पढ़ें सब बढ़ें
मध्य प्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल

TESS India

अंग्रेजी
हाई स्कूल/हायर सेकेण्डरी

आओ मिलकर बोलें

भारत में विद्यालय समर्थित
शिक्षक शिक्षा

www.TESS-India.edu.in

http://creativecommons.org/licenses/

The Open University

UKaid
from the British people

एस.आर.मोहन्ती
अपर मुख्य सचिव

अ.शा.पत्र क्र R.S.K/10
दूरभाष कार्यालय - 0755-4251330
मध्यप्रदेश शासन
स्कूल शिक्षा विभाग
मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल-462 004
भोपाल, दिनांक 20-1-2016

संदेश

प्रिय शिक्षक साथियों,

बच्चों की शिक्षा को गुणवत्तापूर्ण और रोचक बनाने के लिए स्कूल शिक्षा विभाग निरन्तर प्रयासरत् है। आप सभी के प्रयासों से शिक्षकों के शिक्षण कौशल में भी निखार आया है और शालाओं में कक्षा शिक्षण भी आंनददायी तथा बेहतर हुआ है।

इसी दिशा में शिक्षकों को बाल केन्द्रित शिक्षण की ओर उन्मुख करने और शिक्षक प्रशिक्षण की गुणवत्ता को बेहतर बनाने के उद्देश्यों को लेकर, TESS India द्वारा मुक्त शैक्षिक संसाधनों (Open Educational Resources) का विकास किया गया हैं। इनका उपयोग शिक्षण कार्य में सहजता व सुगमतापूर्वक किया जा सकता है। आशा है कि ये संसाधन, शिक्षकों एवं शिक्षक प्रशिक्षकों के व्यावसायिक उन्नयन और क्षमतावर्द्धन में लाभकारी और उपयोगी सिद्ध होंगे।

राज्य शिक्षा केन्द्र के संयुक्त तत्वाधान में TESS India द्वारा स्थानीय भाषा में तैयार किये गये मुक्त शैक्षिक संसाधनों (Open Educational Resources) को www.educationportal.mp.gov.in पर भी उपलब्ध कराया गया हैं। आशा है इन संसाधनों के उपयोग से प्रदेश के शिक्षक और शिक्षक प्रशिक्षक लाभान्वित होंगे और कक्षाओं में पठन पाठन को रूचिकर और गुणवत्तायुक्त बनाने में मदद मिलेगी।
शुभकामनाओं सहित,

(एस.आर.मोहन्ती)

दीप्ति गौड मुकर्जी
आयुक्त
राज्य शिक्षा केन्द्र एवं
सचिव
मध्यप्रदेश शासन
स्कूल शिक्षा विभाग

अर्द्ध शा. पत्र क्र. : 8
दिनांक : 12-1-16
पुस्तक भवन, वी-विंग
अरेरा हिल्स, भोपाल-462011
फोन : (का.) 2768392
फैक्स : (0755) 2552363
वेवसाइट : www.educationportal.mp.gov.in
ई-मेल : rskcommmp@nic.in

संदेश

प्रिय शिक्षक साथियों,

सभी बच्चों को रूचिकर और बाल केन्द्रित शिक्षा उपलब्ध हो इसके लिए आवश्यक है कि हमारे शिक्षकों को शिक्षण की नवीनतम तकनीकों और शिक्षण विधियों से परिचित कराया जाए साथ ही इन तकनीकों के उपयोग के लिए उन्हे प्रोत्साहित भी किया जाए। TESS India द्वारा तैयार किये गये मुक्त शैक्षिक संसाधनों (Open Educational Resources) के उपयोग से शिक्षक शिक्षण प्रविधि के व्यावहारिक उपयोग को सीख सकते हैं। इनकी सहायता से शिक्षक न केवल विषय वस्तु को सुगमता पूर्वक पढ़ा सकते हैं बल्कि पठन पाठन की इस प्रकिया में बच्चों की अधिक से अधिक सहभागिता भी सुनिश्चित कर सकते हैं।

राज्य शिक्षा केन्द्र स्कूल शिक्षा विभाग ने स्थानीय भाषा में तैयार किये गये इन मुक्त शैक्षिक संसाधनों (Open Educational Resources) को अपने पोर्टल www.educationportal.mp.gov.in पर भी उपलब्ध कराया है।

आशा हैं, कि आप इन संसाधनों का कक्षा शिक्षण के दौरान नियमित रूप से उपयोग करेंगे और अपने शिक्षण कौशल में वृद्धि करते हुए बच्चों की पढ़ाई को आनंददायक बनाने का प्रयास करेंगे।

शुभकामनाओं सहित,

(दीप्ति गौड़ मुकर्जी)

शिक्षा का अधिकार

सर्व शिक्षा अभियान
सब पढ़ें सब बढ़ें

टेस–इण्डिया स्थानीयकृत ओईआर निर्माण में सहयोग

मार्गदर्शन एवं समीक्षा :
श्रीमती स्वाति मीणा नायक, अपर मिशन संचालक, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
डॉ. एच. के. सेनापति, प्राचार्य, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. ओ.पी.शर्मा, अपर संचालक, मध्यप्रदेश एससीईआरटी
डॉ. अशोक कुमार पारीक उपसंचालक, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
श्री आर. पी. त्रिपाठी, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
प्रो.जयदीप मंडल, विभागाध्यक्ष विज्ञान एवं गणित शिक्षा संकाय, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. आर. रायजादा, सहप्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष विस्तार शिक्षा, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. वी.जी. जाधव, से.नि. प्राध्यापक भौतिक, एनसीईआरटी
डॉ. के. बी. सुब्रमण्यम से.नि. प्राध्यापक गणित, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. आई. पी. अग्रवाल से.नि. प्राध्यापक विज्ञान, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. अश्विनी गर्ग सहा. प्राध्यापक गणित संकाय, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. एल. के. तिवारी, सहप्राध्यापक विज्ञान, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
श्री एल.एस.चौहान, सहा. प्राध्यापक विज्ञान, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. श्रुति त्रिपाठी, सहा. प्राध्यापक अंग्रेजी, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. रजनी थपलियाल, व्याख्याता अंग्रेजी, ईएलटीआई, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
डॉ. मधु जैन, व्याख्याता शास. उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान, भोपाल
डॉ. सुशोवन बनिक, सहा. प्राध्यापक क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. सौरभ कुमार मिश्रा, सहा. प्राध्यापक क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
श्री. अजी थॉमस, सहा. प्राध्यापक क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. राजीव कुमार जैन, सहा. प्राध्यापक क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
स्थानीयकरण :
भाषा एवं साक्षरता
डॉ. लोकेश खरे, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
डॉ. एम.एल. उपाध्याय से.नि. व्याख्याता शास. उत्कृष्ट उ.मा.विद्यालय मुरैना
श्री रामगोपाल रायकवार ,कनि. व्याख्याता, डाइट कुण्डेश्वर, टीकमगढ़
डॉ. दीपक जैन अध्यापक, शास. उत्कृष्ट उ.मा.विद्यालय क्र 1 टीकमगढ़
अंग्रेजी
श्री राजेन्द्र कुमार पाण्डेय, प्राचार्य, ईएलटीआई, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
श्रीमती कमलेश शर्मा. डायरेक्टर , ईएलटीआई, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
श्री हेमंत शर्मा, प्राचार्य, ईएलटीआई, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
श्री मनोज कुमार गुहा वरि. व्याख्याता, एससीईआरटी. मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
डॉ. एफ.एस.खान, वरि.व्याख्याता, प्रगत शैक्षिक अध्ययन संस्थान (आईएएसई) भोपाल
श्री सुदीप दास, प्राचार्य, शास.उ.मा.विद्यालय दालौदा, मन्दसौर
श्रीमती संगीता सक्सेना, व्याख्याता, ,शास.कस्तूरबा कन्या उ.मा.विद्यालय भोपाल
गणित
श्री बी.बी. पी. गुप्ता, समन्वयक गणित, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
श्री ए. एच. खान प्राचार्य शास.उ.मा.विद्यालय रामाकोना, छिंदवाड़ा
डॉ. राजेन्द्र प्रसाद गुप्त , प्राचार्य शास. जीवाजी ऑब्जर्वेटरी उज्जैन
डॉ.आर,सी. उपाध्याय, वरि. व्याख्याता, डाइट, सतना
डॉ. सीमा जैन, व्याख्याता, शास. कन्या उ.मा.विद्यालय गोविन्दपुरा, भोपाल
श्री सुशील कुमार शर्मा, शिक्षक, शास. लक्ष्मी मंडी उ.मा.विद्यालय, अशोका गार्डन, भोपाल
विज्ञान
डॉ. अशोक कुमार पारीक उपसंचालक, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल
डॉ. सुसम्मा जॉनसन, व्याख्याता एस.आई.एस.ई. जबलपुर मध्यप्रदेश
डॉ.सुबोध सक्सैना, समन्वयक एससीईआरटी मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल
श्री आर. पी. त्रिपाठी, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
श्री अरूण भार्गव, वरि. व्याख्याता, एससीईआरटी, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल
श्रीमती सुषमा भट्ट, वरि.व्याख्याता, एससीईआरटी, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
श्री ब्रजेश सक्सेना, प्राचार्य, एससीईआरटी ,मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
डॉ. रेहाना सिद्दकी से.नि. व्याख्याता सेन्ट फ्रांसिस हा. से. स्कूल भोपाल

*TESS-India (*विद्यालय समर्थित शिक्षक शिक्षा*)* का उद्देश्य मुक्त शैक्षिक संसाधनों की सहायता से भारत में प्रारंभिक और सेकेण्डरी शिक्षकों के कक्षा अभ्यास व कक्षा निष्पादन को सुधारना है जिसमें वे इन संसाधनों की सहायता से विद्यार्थी - केंद्रित, सहभागी दृष्टिकोणों का विकास कर सकें। टेस इंडिया के मुक्त शैक्षिक संसाधन शिक्षकों के लिए स्कूल पाठ्य पुस्तक के अतिरिक्त, सहयोगी पुस्तिका या संसाधन की तरह हैं। इसमें शिक्षकों के लिए कुछ गतिविधियां दी गई हैं जिन्हे वे कक्षाओ में विद्यार्थियों के साथ प्रयोग में ला सकते हैं, इसके साथ साथ कुछ केस स्टडी दी गई हैं जो यह बताती हैं कि कैसे अन्य शिक्षकों ने पाठ्य विषय को कक्षाओं में पढ़ाया और अपनी विषय संबंधी जानकारियों को बढ़ाने तथा पाठ योजनाओं को तैयार करने में संसाधनों का उपयोग किया।

TESS-India OER भारतीय पाठ्यक्रम और संदर्भों के अनुकूल भारतीय तथा अंतर्राष्ट्रीय लेखकों के सहयोग से तैयार किये गये है और ये ऑनलाइन तथा प्रिंट रूप में उपयोग के लिए उपलब्ध हैं *(http://www.tess-india.edu.in)*। *OER* कार्यक्रम से जुड़े प्रत्येक भारतीय राज्य के शिक्षकों के उपयोग के लिए उपयुक्त तथा कई संस्करणों में उपलब्ध हैं तथा शिक्षक व उपयोगकर्ता इन्हे अपनी स्थानीय आवश्यकताओं और सन्दर्भों के अनुरूप इनका स्थानीयकरण करके उपयोग कर सकते हैं।

प्रस्तुत संस्करण मध्यप्रदेश की स्थानीय आवश्यकताओं और संदर्भों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है।

वीडियों संसाधन

इस इकाई में कुछ गतिविधियों के साथ यह आइकॉन दिया गया है*:* *.* इसका अर्थ है कि आप उक्त विशिष्ट विषयवस्तु या शैक्षणिक प्रविधि को और अधिक समझने के लिए *TESS-India* के वीडियो संसाधनों की मदद ले सकते हैं।

TESS-India वीडियो ससांधन (Resources) भारतीय परिप्रेक्ष्य में कक्षाओं में उपयोग की जा सकने वाली सीखने–सिखाने की विविध तकनीकों को दर्शाते हैं। हमें यकीन है कि इनसे आपको इसी प्रकार की तकनीकें अपनी कक्षा में करने में मदद मिलेगी। यदि इन वीडियो संसाधनों तक आपकी पहुँच नहीं हो तो कोई बात नहीं। यह वीडियो पाठ्यपुस्तक का स्थान नहीं लेते, बल्कि उसको पढ़ाने में आपकी मदद करते हैं।

TESS-India के वीडियो संसाधनों को *TESS-India* की वेबसाइट *http://www.tess-india.edu.in/* पर ऑनलाइन देखा जा सकता है या डाउनलोड किया जा सकता है*)*। इसके अतिरिक्त आप इन वीडियो को सीडी या मेमोरी कार्ड में लेकर भी देख सकते हैं।

संस्करण 2.0 SE09v1
Madhya Pradesh

तृतीय पक्षों की सामग्रियों और अन्यथा कथित को छोड़कर, यह सामग्री क्रिएटिव कॉमन्स एट्रिब्यूशन–शेयरएलाइक लाइसेंस के अंतर्गत उपलब्ध कराई गई है: http://creativecommons.org/licenses/by-sa/3.0/

TESS-India is led by The Open University UK and funded by UK aid from the UK government

यह इकाई किस बारे में है

मैं जानती हूँ कि मेरे विद्यार्थियों का अंग्रेजी बोलने में सक्षम होना कितना महत्वपूर्ण है। इससे उन्हें उच्च शिक्षा प्राप्त करने अन्य देशों के लोगों के साथ संचार करने और भारत या अन्यत्र बेहतर नौकरी पाने में मदद मिल सकती है। मेरे अधिकतर विद्यार्थी सरल प्रश्नों के उत्तर अंग्रेजी में दे सकते हैं, लेकिन वे वार्तालाप नहीं कर सकते। जीवन में संचार और भविष्य में काम के लिए आवश्यक बोलने के कौशलों को विकसित करने में मैं उनकी मदद कैसे कर सकती हूँ?

यह इकाई कक्षा की उन गतिविधियों के बारे में है जो स्वतंत्र रूप से अंग्रेजी में बोलने में आपके विद्यार्थियों की मदद करेगी। अंग्रेजी में बोलने में सक्षम होना वह कौशल है जो आपके विद्यार्थियों के लिए स्कूल के बाहर और उसके बाद के जीवन में लाभदायक होगा। इसे प्राप्त करने के लिए आपके विद्यार्थियों को स्वयं अपने प्रयोजनों के लिए भाषा का प्रयोग करते हुए अंग्रेजी भाषा में अपने आप को व्यक्त करना सीखना होगा। किसी मुद्दे पर चर्चा करने वार्तालाप करने या कोई जानकारी प्राप्त करने के लिए। उन्हें विविध प्रकार की बोलने की गतिविधियों में भाग लेना होगा जिनमें वे गतिविधियाँ शामिल हैं जो उन्हें वास्तविक जीवन के लिए आवश्यक कौशलों को विकसित करने का अवसर देती हैं। उन्हें अपने स्वयं के शब्दों का प्रयोग करके बोलने के अवसर की भी जरूरत होती है। यदि शब्द और वाक्यांश उनके लिए सदैव उपलब्ध कराए जाते हैं, या वे याद किए हुए शब्द और वाक्यांश दोहराते हैं, तो जब उनके स्वयं बोलने का अवसर आएगा तब उन्हें इसमें कठिनाई होगी।

यह इकाई आपको अपनी कक्षा में ऐसी विविध गतिविधियाँ करने के तरीकों के बारे में कुछ विचार देती है जो वास्तविक जीवन में भाग लेने के लिए आवश्यक कौशलों का विकास करने में विद्यार्थियों की सहायता करती हैं। यह दिखलाती है कि आप जोड़ी और समूहकार्य का उपयोग करके विद्यार्थियों को यथासंभव अंग्रेजी में बोलने के अधिक अवसर कैसे प्रदान कर सकते हैं। जोड़ी और समूहकार्य ऐसी स्थितियों का निर्माण करने में आपकी मदद करते हैं जहाँ विद्यार्थियों को एक दूसरे के साथ संचार करने के लिए अंग्रेजी का उपयोग करना पड़ता है। भाषा के अभ्यास के लिए जोड़ी और समूहकार्य का उपयोग करने का काम चुनौतीपूर्ण है इसलिए यह इकाई इस बात की खोजबीन करती है कि अन्य शिक्षक इस प्रकार की बोलने की गतिविधियों को कैसे आयोजित और प्रबंधित करते हैं।

जब विद्यार्थी पहली बार जोड़ियों और समूहों में अंग्रेजी बोलना शुरू करते हैं तब उन्हें बहुत सारे सहयोग की जरूरत होती है। इसकी शुरूआत उन्हें बोलने के लिए पाठ देकर जैसे पाठ्यपुस्तक से ऊँची आवाज़ में पढ़ना, वाक्यांशों और वाक्यों को दोहराना (देखें इकाई *अपनी कक्षा में अंग्रेजी का अधिक उपयोग करना*) या किसी सहपाठी को कोई गद्यांश बोलकर लिखवाना (नीचे चर्चित) की जा सकती हैं। जब वे आश्वस्त होने लगें तब आप उनको दी जाने वाली सहायता को कम कर सकते हैं और भूमिका अभिनय, साक्षात्कार या चर्चा (नीचे चर्चित) जैसी बोलने की गतिविधियों के माध्यम से अपने शब्दों और विचारों का उपयोग करते हुए संचार करने के लिए अधिक अवसर दे सकते हैं (देखें इकाई *अपने विद्यार्थियों में अंग्रेजी बोलने के आत्मविश्वास का निर्माण करना*)।

इस इकाई से आप क्या सीख सकते हैं

- बोलने की गतिविधियों के लिए जोड़ी और समूहकार्य का उपयोग करने के तरीके।
- अंग्रेजी में उद्देश्यपूर्ण बातचीत करने के अवसर पैदा करना।
- बड़ी कक्षा के साथ बोलने की गतिविधियों का आयोजन और प्रबंधन करना।

1 जोड़ी और समूहकार्य में बोलने की गतिविधियाँ

विद्यार्थियों को स्कूल के साथी ही अपने जीवन में सभी तरह की स्थितियों में अंग्रेजी में बोलने की जरूरत पड़ सकती है। धाराप्रवाह और आश्वस्त होने के लिए उन्हें अभ्यास करना चाहिए। कई विद्यार्थियों के पास ऐसा करने के लिए पर्याप्त अवसर नहीं होते हैं; एकमात्र जगह जहाँ वे अंग्रेजी बोलने का अभ्यास कर सकते हैं वह है उनकी कक्षाएं। इसका मतलब यह है कि आपको वास्तविक प्रयोजनों के लिए अंग्रेजी में बोलने के अवसर प्रदान करना चाहिए ताकि विद्यार्थी आपके साथ और एक दूसरे के साथ संचार करने के लिए भाषा का प्रयोग करें।

आप सोच रहे होंगे कि आपके सभी विद्यार्थियों को कक्षा में बोलने का अवसर देना कठिन है खास तौर पर यदि आपके पास विद्यार्थी बड़ी संख्या में हों। आपके सभी विद्यार्थियों को बोलने का अवसर देने का एक तरीका है कि उन्हें एक दूसरे के साथ बात करने के लिए जोड़ियों या समूहों (उदाहरण के लिए, तीन या चार विद्यार्थियों के) में बढायें (चित्र 1)।

.

चित्र **1** अंग्रेजी बोलने का अभ्यास करने के लिए जोड़ियों और समूहों में काम कर रहे विद्यार्थी।
नोट करें कि एक साथ काम करने से, सभी विद्यार्थियों को बोलने का अवसर मिलता है।

सीखने के लिए जोड़ी और समूहकार्य का उपयोग करने के कई लाभ हैं:

- वे विद्यार्थियों को एक दूसरे से सीखने का अवसर देते हैं
- विभिन्न स्तरों के विद्यार्थी एक दूसरे की मदद और सहयोग कर सकते हैं
- वे अंग्रेजी में बोलने का अभ्यास करने के लिए विशेष रूप से उपयोगी हो सकते हैं।

जोड़ी और समूह में कार्य विद्यार्थियों को अपनी बोलचाल को आजमाने के लिए अधिक सुरक्षित वातावरण पेश करते हैं क्योंकि उन्हें कम लोग सुनते हैं लेकिन सभी विद्यार्थियों को बोलने और सुनने के अवसर मिलते हैं। इससे विद्यार्थी अंग्रेजी में बोलने का आत्मविश्वास विकसित करने में समर्थ होते हैं। आप चाहें तो मुख्य संसाधनों, जोड़ी में कार्य का उपयोग करना और समूहकार्य का प्रयोग करना पर एक नज़र डाल सकते हैं।

वीडियो: जोड़ी में किये गये कार्य का प्रयोग करना

वीडियो: समूह में कार्य का प्रयोग करना

अंग्रेजी में संचार करने के एक कदम के रूप में जोड़ी में लिखवाना (श्रुतलेख)

जोड़ी में लिखवाना आपके विद्यार्थियों को अंग्रेजी में एक दूसरे से बोलने और सुनने का आदी बनाने का एक सरल तरीका है। आपके विद्यार्थियों को अंग्रेजी में एक दूसरे से बात करने व एक दूसरे को सुनने का आदी बनाने का सरल तरीका है कि उन्हें जोड़ियों में बिठाकर लिखवाने का कार्य करवाये। यह गतिविधि शुद्ध रूप से संचारात्मक नहीं है, क्योंकि विद्यार्थी खुद अपने बलबूते पर सार्थक वाक्यों का निर्माण नहीं करते हैं। तथापि, जो विद्यार्थी बोल रहे होते हैं उन्हें उच्चारण में उपयोगी अभ्यास मिलता है और जो विद्यार्थी सुनते और लिखते हैं उन्हें भी स्पेलिंग

और विराम चिह्न लगाने का अभ्यास मिलता है। ये कौशल उनके आत्मविश्वास और वास्तविक जीवन में अंग्रेजी में संचार करने की क्षमता को विकसित करते हैं।

केस स्टडी 1: सुश्री अग्रवाल अपने विद्यार्थियों को अंग्रेजी बोलने का अभ्यास कराने के लिए जोड़ी में लिखवाने (श्रुतलेख) का उपयोग करती हैं

सुश्री अग्रवाल ने हाल ही में विद्यार्थियों को कक्षा में अंग्रेजी बोलने का अवसर देने की महत्ता के बारे में एक प्रशिक्षण सत्र में भाग लिया। सत्र में उन्होंने जोड़ी और समूहकार्य का उपयोग करने के बारे में सीखा।

मैं कक्षा 9 को पढ़ाती हूँ, और हम NCERT textbook *Beehive* के अध्याय 8 को पढ रहे हैं। आप अपनी कक्षा की पाठ्यपुस्तक के किसी अध्याय को ले सकते है। पिछली कक्षा में हम पृष्ठ 108 पर थे, जिसमें निम्नलिखित श्रुतलेख गतिविधि है:

'The Raincoat'

After four years of drought in a small town in the north-east, the vicar gathered everyone together for a pilgrimage to the mountain, where they would pray together and ask for the rain to return.

The priest noticed a boy in the group wearing a raincoat.

'Have you gone mad?' he asked. 'It hasn't rained in this region for five years, the heat will kill you climbing the mountain.'

'I have a cold, father. If we are going to ask God for rain, can you imagine the way back from the mountain? It's going to be such a downpour that I need to be prepared.'

At that moment a great crash was heard in the sky and the first drops began to fall. A boy's faith was enough to bring about a miracle that not even those most prepared truly believed in.

सामान्यतया मैं पाठ्यपुस्तक के श्रुतलेख जोर से पढ़ती हूँ, और विद्यार्थी सुनते तथा लिखते हैं। प्रशिक्षण सत्र में मैंने सीखा कि शिक्षक को हमेशा ही वह व्यक्ति होना जरूरी नहीं है जो कक्षा में बोलता है। मैंने जाना कि मेरे विद्यार्थी भी श्रुतलेख दे सकते हैं। मैंने सोचा कि वे यह काम जोड़ियों में कर सकते हैं। एक विद्यार्थी पाठ को पढ़कर सुनाएंगा और दूसरा उसे सुनेगा तथा लिखेगा।

मैंने अपने विद्यार्थियों से उनके बगल में बैठे व्यक्ति के साथ जोड़ियाँ बनाने को कहा। कुछ बेंचों के अंत में कुछ छात्र बच गए जिन्होंने जोड़ियों की बजाय तीन के समूह बना लिए। तब मैंने अपने विद्यार्थियों से अपने साथी (साथियों) को गद्यांश पढ़कर लिखवाना शुरू करने को कहा। मैं कक्षा में घूमने लगी और देखा कि अधिकतर विद्यार्थियों को कठिनाई हो रही है। वे नहीं जानते थे कि उन्हें क्या करना है और वे केवल गद्यांश को पढ़ रहे थे। मुझे समझ में आया कि मेरे निर्देश स्पष्ट नहीं थे। मैंने हर एक से रुकने को कहा और दोबारा प्रयास करने का निश्चय किया।

इस बार मैंने समूहों से कहा, ''Decide who is Student A and who is Student B'। (तीन के समूहों में दो विद्यार्थियों के पास एक ही पत्र था।) मैंने उन्हें तय करने के लिए एक मिनट दिया। फिर मैंने कहा Student As, raise your hands. Student Bs, raise your hands। इस तरह मैंने जाना कि हर एक को पता था कि कौन Student A था और कौन Student B। फिर मैंने कक्षा को गतिविधि के लिए निर्देश दिए और उन्हें ब्लैकबोर्ड पर लिखा।

Student A: Close your textbook. Write down what your partner reads. Do not look at the textbook!

Student B: Read out the first two sentences of 'The Raincoat' on p. 108. Read slowly and repeat each line twice.

When you have finished, exchange roles. Student A reads out two sentences and Student B writes them down.

मैंने सुनिश्चित किया कि हर एक ने निर्देशों को समझ लिया है जिसके लिए मैंने उनसे अपने घर की भाषा में बताने को कहा कि उन्हें क्या करना है। मैंने अपने विद्यार्थियों से कहा,You have ten minutes for the pair dictation. फिर विद्यार्थियों ने अपने साथियों को गद्यांश को बोलकर लिखवाना शुरू किया [चित्र2]। जब वे गतिविधि कर रहे थे तब मैंने कक्षा में घूमते हुएजोड़ियों को सुना और जाँच की कि हर कोई गतिविधि को सही ढंग से कर रहा है। उनमें से कुछ अब भी आश्वस्त नहीं थे इसलिए मैंने उन्हें फिर से समझाया। उनमें से अधिकांश गतिविधि का आनंद ले रहे थे और सब सुचारु रूप से चल रहा था। अपने कई विद्यार्थियों को अंग्रेजी में बोलते सुनकर अच्छा लग रहा था।

चित्र **2** एक विद्यार्थी The Raincoat पढ़ता है जबकि दूसरा वह लिखता हो जो उसका साथी पढ़ता है।

जब मैं सुन रही थी तब मैंने देखा कि कुछ विद्यार्थी उच्चारण में गलतियाँ कर रहे हैं। मैंने उन्हें नहीं टोका। मैंने सबसे आम उच्चारण की गलतियों को नोट किया और निश्चय किया कि मैं गतिविधि के बाद सारी कक्षा के साथ इन गलतियों को सुधार सकती हूँ। मैंने सोचा कि मेरे नोट्स आकलन के लिए उपयोगी हो सकते हैं (देखें इकाई *रचनात्मक आकलन और भाषा शिक्षण*)।

नौ मिनट बीतने पर मैंने विद्यार्थियों से कहा You have one more minute। दस मिनट बीतने पर कुछ विद्यार्थियों ने पढ़ना समाप्त नहीं किया था लेकिन मैं जानती थी कि हर एक को कुछ वाक्यों को पढ़कर लिखवाने का अवसर मिल गया था। मेरे लिए सभी के काम की जाँच करना संभव नहीं था इसलिए मैंने उनसे पाठ्यपुस्तक के गद्यांश के साथ उसकी तुलना करके स्वयं जाँचने और सही करने को कहा। इससे उन्हें यह देखने में सहायता मिली कि उन्हें स्पेलिंग या विराम चिह्नों के साथ कहाँ कठिनाइयाँ हुई थीं।

> कुल मिलाकर गतिविधि अच्छे ढंग से हुई, हालांकि मुझे महसूस हुआ कि मुझे इस तरह की गतिविधियों के लिए अधिक स्पष्ट निर्देश देने चाहिए। मैं अपनी कक्षाओं में जोड़ी में कार्य का अधिक प्रयोग करने वाली हूँ। मेरा खयाल है कि मैं इसका जितना अधिक प्रयोग करूँगी, विद्यार्थी उतना ही अधिक इसके अभ्यस्त होंगे।

गतिविधि 1: जोड़ी में श्रुतलेख का उपयोग करना
आप इस गतिविधि का उपयोग किसी भी छोटे गद्यांश और किसी भी कक्षा के साथ कर सकते हैं। अपने विद्यार्थियों के साथ जोड़ी में श्रुतलेख अभ्यास आजमाने के लिए इन चरणों का पालन करें: 1. कक्षा से पहले एक छोटा गद्यांश (जैसे कोई पैराग्राफ) खोजें जिसका उपयोग आपके विद्यार्थी श्रुतलेख के लिए कर सकते हैं। सुनिश्चित करें कि पाठ शब्दावली और विराम चिह्नों के हिसाब से अधिक जटिल नहीं है। 2. अपने विद्यार्थियों को जोड़ियों में बैठायें (उदाहरण के लिए, उनके बगल के विद्यार्थी के साथ)। देखें कि हर कोई जोड़ी में है। कोई भी बचा हुआ विद्यार्थी किसी जोड़ी में शामिल होकर तीन का समूह बना सकता है। 3. विद्यार्थियों को जोड़ी में श्रुतलेख के लिए यदि हो सके तो अंग्रेजी का उपयोग करते हुए निर्देश दें। आप निर्देशों को ब्लैकबोर्ड पर लिख सकते हैं। जाँच करें कि उन्होंने निर्देश समझ लिए हैं (उदाहरण के लिए, विद्यार्थियों से अपनी घर की भाषा में बताने को कहकर कि उन्हें क्या करना है)। 4. सुनिश्चित करें कि विद्यार्थी किसी बिंदु पर भूमिकाओं की अदला-बदली करें ताकि जो बोल रहा था वह अब लिखे और जो लिख रहा था वह अब बोले। 5. गतिविधि के लिए समय सीमा दें, जैसे दस मिनट। 6. विद्यार्थियों के काम करते समय आप कमरे में घूमें। जाँच करें कि उन्होंने समझ लिया है कि उन्हें क्या करना है और जहाँ आवश्यक हो वहाँ मदद करें या नोट्स बनाएं (उदाहरण के लिए, आम उच्चारण या स्पेलिंग की समस्याओं के)। जाँच करें कि सभी विद्यार्थी गतिविधि में भाग ले रहे हैं। 7. जब समय समाप्त हो जाय, तब विद्यार्थियों से काम करना बंद करने को कहें। 8. विद्यार्थियों से अपने काम की तुलना पाठ्यपुस्तक के साथ करने को कहें।[1] 9. आपको नज़र आने वाली किसी भी आम गलती (उदाहरण के लिए, उच्चारण, स्पेलिंग या विराम चिह्न की) पर प्रतिक्रिया प्रदान कीजिए।

विचार कीजिए

यहाँ इस गतिविधि को आजमाने के बाद आपके विचार करने के लिए कुछ प्रश्न दिए गए हैं। यदि संभव हो, तो इन प्रश्नों की चर्चा किसी साथी शिक्षक के साथ करें।

- क्या आपके विद्यार्थियों ने समझा कि उन्हें क्या करना था? यदि नहीं, तो आप भविष्य में अपने निर्देशों को अधिक स्पष्ट कैसे बना सकते हैं?
- क्या आपके सभी विद्यार्थी बोले? यदि नहीं, तो क्यों नहीं? भविष्य में की जाने वाली जोड़ी में कार्य गतिविधियों में अपने अधिक विद्यार्थियों को बोलने के लिए प्रेरित करने के लिए आप कैसे मदद कर सकते हैं?

इससे *पहले* कि वे जोड़ियों या समूहों में काम करें विद्यार्थियों को समझना होगा कि उन्हें क्या करना है। ब्लैकबोर्ड पर निर्देश लिखना एक अच्छा तरीका है ताकि विद्यार्थी काम करते समय उनका संदर्भ ले सकें। आप गतिविधि को पहले सारी कक्षा के साथ प्रदर्शित भी कर सकते हैं जिसके लिए आप दो विद्यार्थियों से सारी कक्षा के सामने गतिविधि का अभ्यास करवा सकते हैं।

यदि आपके सारे विद्यार्थियों ने नहीं बोला है तो कठिनाइयों का पता लगाने का प्रयास करें। क्या आपके विद्यार्थी गलतियाँ करने से डरते हैं? क्या वे जोड़ियों में काम करने में असहज महसूस करते हैं? विद्यार्थियों को शुरू में जोड़ी और समूहकार्य कठिन लग सकता है। यदि आप उन्हें उसके लाभों, और इस बारे में बताते हैं कि वह अभ्यास के साथ आसान हो जाएगा तो उससे मदद मिल करती है। जितनी बार आपसे हो सके उतनी बार जोड़ी और समूहकार्य का उपयोग करें और विद्यार्थी जल्दी ही उसके अभ्यस्त हो जाएंगे। सभी विद्यार्थियों को सम्मिलित करने पर अधिक जानकारी के लिए संसाधन 1 सबको सम्मिलित करना देखें ।

2 अंग्रेजी भाषा में रोजमर्रा की बातचीत के अवसर प्रदान करना

विद्यार्थियों को अंग्रेजी कक्षाओं में अंग्रेजी बोलने के जितने हो सकें उतने अवसर देना महत्वपूर्ण होता है। लेकिन बोलचाल की कई गतिविधियों में विद्यार्थी कुछ ऐसे वाक्यांशों को ऊँची आवाज़ में पढ़ते या बोलते हैं जो उन्होंने सीखे हैं। इन गतिविधियों में विद्यार्थियों को स्वयं अपने विचार बताने या अपने विचारों को साझा करने के लिए वाक्यों की रचना करने की भी जरूरत नहीं होती है।

जब हम वास्तविक जीवन में बोलते हैं तब हम आम तौर पर वह जानकारी या विचार साझा करते हैं जो सुनने वाले के लिए नए होते हैं। उदाहरण के लिए हो सकता है आप अपने मुख्याध्यापक को किसी विद्यार्थी के बारे में कोई जानकारी देते हैं या आप अपने मित्रों को काम से घर जाते समय आपके साथ घटी किसी घटना के बारे में बता सकते हैं।

बोलचाल की अच्छी गतिविधियाँ वास्तविक जीवन की स्थितियों पर आधारित होती हैं जिनमें जानकारी का आदान-प्रदान किया जाता है। ऐसी गतिविधियों में विद्यार्थियों को जो कुछ वे कहना चाहते हैं उसका संचार करने के लिए भाषा का उपयोग करना होता है।

संचार कौशलों को विकसित करने वाली बोलने की गतिविधियों के उदाहरण हैं, रोल प्ले, साक्षात्कार और चर्चाएं – रोल प्ले गतिविधि के उदाहरण के लिए संसाधन 2 देखें । आगे आने वाली गतिविधियों और केस स्टडी में आप साक्षात्कारों और चर्चाओं पर नज़र डालेंगे।

जोड़ी या समूहकार्य जिसमें विद्यार्थी एक दूसरे के साथ साक्षात्कार का संचालन करते हैं, संचार करने के लिए अंग्रेजी का प्रयोग करने का अच्छा तरीका हो सकता है। एक विद्यार्थी दिखावा कर सकता है कि वह एक पत्रकार है जबकि दूसरा साक्षात्कार देने वाला हो सकता है (वे मशहूर फिल्मी सितारे, खेल नायक, संगीतज्ञ, स्थानीय व्यक्ति, आदि हो सकते हैं)। जब विद्यार्थी भूमिकाएं निभाते हैं, तब वे एक गतिविधि में भाग ले रहे होते हैं जो एक वास्तविक जीवन की स्थिति पर आधारित है जिसमें एक व्यक्ति प्रश्न पूछता है और दूसरा जानकारी के संचार के लिए जवाब देता है।

केस स्टडी **2:** श्री तोमर छोटे समूहों में साक्षात्कार करने में अपने विद्यार्थियों की मदद करते हैं

श्री तोमर एक सरकारी माध्यमिक स्कूल में कक्षा 9 को अंग्रेजी पढ़ाते हैं।

मैं कक्षा 9 को पढ़ाता हूँ, और हमने हाल ही में Santosh Yadav, जो एक महिला हैं जो सभी कठिनाइयों के विरुद्ध संघर्ष करके Mount Everest पर चढ़ीं, के बारे में एक गद्यांश पढ़ा [देखें NCERT Class X textbook *Beehive*, Chapter 8 – 'Reach to the Top']। वे एक साहसी, दृढ़ निश्चयी युवती हैं, और मैंने सोचा साक्षात्कार गतिविधि के लिए उनके चरित्र का उपयोग दिलचस्प रहेगा। आप अपनी पाठ्यपुस्तक के किसी पाठ से उदाहरण ले सकते हैं।

गद्यांश के बारे में विद्यार्थियों को याद दिलाने के बाद मैंने उन्हें यह कल्पना करने को कहा कि वे पत्रकार हैं और वे आरोही, Santosh Yadav का साक्षात्कार करने जा रहे हैं। मैंने संपूर्ण कक्षा से ऐसे कुछ प्रश्न सोचने को कहा जो वे पूछना चाहेंगे और कुछ विद्यार्थियों ने विचार प्रस्तुत किए। मैंने उन्हें बोर्ड पर लिखा:

How did you feel when you stood on the top of the mountain?

Why didn't you want to get married?

What did you eat on the mountain?

फिर मैंने कक्षा को जोड़ियों में बैठने को कहा (विद्यार्थियों के अपने बगल के विद्यार्थी के साथ काम करते हुए) और उनसे Santosh. के लिए जितने अधिक हो सकें उतने प्रश्न लिखने को कहा। मैंने उन्हें कल्पनाशील होने के लिए प्रोत्साहित किया। मैंने उन्हें प्रश्न लिखने के लिए एक समय सीमा दी – लगभग आठ मिनट। जब उन्होंने प्रश्न लिखना शुरू किया तो मैंने घूमते हुए जिन्हें जरूरत थी उनकी मदद की, कुछ गलतियाँ सुधारीं, और यह कहते हुए कुछ अधिक अन्वेषणात्मक प्रश्न सुझाए:

Do you want to ask Santosh about things you already know about her or do you want to find out things that you don't know?

मैंने शीघ्रता से सुनिश्चित किया कि हर जोड़ी ने कुछ प्रश्न लिखे हैं, और फिर उन्हें लिखना रोकने को कहा। मैंने अपनी कक्षा को बताया कि वे साक्षात्कार करने जा रहे हैं, और मैंने हर दूसरी कतार से अपनी बेंचों पर पीछे घूम जाने के कहा ताकि विद्यार्थी एक दूसरे के सम्मुख रहें, और कुछ और निर्देश दिए।

Now each pair is facing another pair. One pair plays the role of the journalist and the other plays the role of Santosh.

Who is the journalist? Please raise your hands.

Who is Santosh? Please raise your hands.

Please listen to me, journalists. Ask your questions to Santosh.

To the students who are Santosh: use your imaginations to answer the questions.

When you have finished the interview, please change roles. The second pair will ask their questions.

Journalists! Please make sure that you take notes of the answers. You'll need these after the interviews.

विद्यार्थियों ने साक्षात्कार शुरू किए [चित्र 3]। मैं एक समूह को सुनने के लिए कमरे के पिछले भाग में गया। जब मैं सुन रहा था, तब मैंने देखा कि एक लड़की भाग नहीं ले रही थी – उसका सहपाठी सभी प्रश्नों के उत्तर दे रहा था। मैंने उनसे कहा कि उन्हें बारी-बारी से प्रश्नों के उत्तर देने चाहिए, और कि जब वह कहीं अटके तो उसका सहपाठी शब्द बोलकर उसकी मदद कर सकता है।

चित्र **3** छोटे समूहों में साक्षात्कार।

फिर मैंने कमरे के मध्य में एक समूह को सुना। मैंने देखा कि प्रश्नों का उत्तर देने के लिए वे अपने घर की भाषा का उपयोग कर रहे थे। मैंने उनसे पूछा वे ऐसा क्यों कर रहे हैं और उन्होंने कहा कि वे एक शब्द नहीं जानते हैं जिसका प्रयोग वे अंग्रेजी में करना चाहते हैं। मैंने उन्हें उस शब्द का अनुवाद दिया और उनसे जितनी उनसे हो सके उतनी अधिक अंग्रेजी का प्रयोग करने को कहा चाहे उन्हें एक शब्द भी पता न हो। मैंने उनसे ऐसे शब्दों को भी नोट करने को कहा जो वे नहीं जानते हैं, ताकि वे मुझसे बाद में पूछ सकें या शब्दकोश में खोज सकें।

तभी मैंने महसूस किया कि कमरे में काफी शोर हो रहा है। मैंने देखा कुछ समूह अन्य समूहों की अपेक्षा अधिक शोर कर रहे हैं, इसलिए मैं उनके पास गया और उनसे अधिक शांत होकर बोलने को कहा। कभी-कभी शांति स्थापित करने के लिए समूह का ध्यान खींचना और इशारे का उपयोग करना ही पर्याप्त होता है।

मैंने देखा कि कई विद्यार्थी गलतियाँ कर रहे हैं। मैं जानता था कि यदि मैंने टोका तो मैं उन्हें बोलने से निरुत्साहित कर दूँगा और इस गतिविधि का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को अंग्रेजी में बोलने के लिए प्रेरित करना है। इसकी बजाय मैंने कुछ आम गलतियाँ नोट कीं और तय किया कि मैं इन समस्याओं की समीक्षा किसी अन्य कक्षा में करूँगी।

दस मिनट बाद मैंने देखा कई समूह साक्षात्कार समाप्त कर रहे हैं, इसलिए मैंने गतिविधि को खत्म करने का फैसला किया। मैंने दस से शून्य तक की उल्टी गिनती शुरू की। जब तक मैं शून्य पर पहुँची, समूह शांत हो चुके थे, और उन्होंने बात करना बंद कर दिया था। मैंने विद्यार्थियों से Santosh के बारे में एक रिपोर्ट लिखने के लिए अपने साक्षात्कारों के नोट्स का उपयोग करने को कहा।

गतिविधि **2:** कक्षा में साक्षात्कार गतिविधि आजमाएं
इन चरणों का अनुसरण करें और अपनी कक्षा में साक्षात्कारों का प्रयोग करने का प्रयास वैसे ही करें जैसे केस स्टडी 2 में श्री तोमर ने किया। इससे आपके विद्यार्थियों को अंग्रेजी भाषा में बातचीत करने के लिए अभ्यास करने का अवसर मिलेगा: 1. एक व्यक्ति का चयन करें जिसका साक्षात्कार किया जाना है। यह कोई भी हो सकता है, पाठ्यपुस्तक के गद्यांश से कोई व्यक्ति (केस स्टडी 2 की तरह), कोई काल्पनिक चरित्र, या विद्यार्थियों द्वारा सुझाया गया कोई प्रसिद्ध व्यक्ति; उदाहरण के लिए, कोई फिल्मी सितारा, कोई खेल नायक, कोई स्थानीय मशहूर व्यक्ति इत्यादि। यदि साक्षात्कार किया जाने वाला व्यक्ति विद्यार्थियों के लिए दिलचस्प है, तो उनके प्रेरित होने की अधिक संभावना है। 2. विद्यार्थियों से ऐसे कुछ प्रश्न देने को कहें जो वे पूछना चाह सकते हैं और उनमें से तीन से पाँच तक सुझाव ब्लैकबोर्ड पर लिखें। उन्हें ऐसे प्रश्न पूछने के लिए, जिनके उत्तर वे नहीं जानते हैं, और सृजनात्मकता और कल्पना का प्रयोग करने के लिए प्रोत्साहित करें। उदाहरणों में शामिल हैं: ○ How many brothers and sisters do you have? ○ What did you want to be when you grow up? ○ How did you feel when you did [whatever they did]? 3. विद्यार्थियों से यह कल्पना करने को कि वे पत्रकार हैं और प्रश्नों को लिखने के लिए कहें। उन्हें कोई, जैसे, दस मिनट की, समय सीमा दें। 4. जब विद्यार्थी लिखते हैं तब कक्षा में घूमें और काम की जाँच करें और उसे सुधारें तथा रोचक प्रश्नों में मदद करें और उन्हें प्रोत्साहित करें। 5. हर दूसरी कतार को पीछे घूमने को कहें ताकि उनके चेहरे उनके पीछे वाली कतार के सामने हों। एक दूसरे के सामने बैठी जोड़ियों को चार का समूह बनाने को कहें। सुनिश्चित करें कि कोई भी अतिरिक्त विद्यार्थी समूह में शामिल किए जाएं। 6. विद्यार्थीयों को बताएं कि प्रत्येक समूह की एक जोड़ी को पत्रकार की भूमिका लेनी चाहिए जबकि दूसरी जोड़ी साक्षात्कार करवाएगी। उनसे कहें कि पहला साक्षात्कार पूरा होने पर वे भूमिकाओं की अदला.बदली कर लें। पत्रकारों को साक्षात्कार के नोट्स बनाने चाहिए। 7. जाँच करें कि हर एक ने समझ लिया है कि उसकी क्या भूमिका है और उसे क्या करना है। साक्षात्कारों के लिए दस मिनट की समय सीमा दें। जब समूह साक्षात्कारों का संचालन करेंए तब कमरे में घूमें और यह आप पर निर्भर करता है कि आप अपने विद्यार्थियों को शोर का स्वीकर योग्य स्तर बतायें। 8. तथा आवश्यक हो तो सहायता करें। 9. करीब दस मिनट बाद, गतिविधि को करते हुए शीघ्रता से समाप्त करे (उदाहरण के लिए, दस से शून्य तक उल्टी गिनती करते हुए)।

विचार कीजिए

जोड़ी और समूहकार्य का उपयोग करने के कई लाभ हैं। उनकी अपनी चुनौतियाँ भी हैं। खास तौर पर तब जब उनका उपयोग बड़ी कक्षाओं में किया जाता है। अपने विद्यार्थियों के साथ इस गतिविधि को आजमाने के बाद सोचें कि आपकी कक्षा में क्या हुआ:

- क्या आपके विद्यार्थियों ने अपनी घर की भाषा(भाषाओं) का प्रयोग किया? यदि हाँ, तो आप उस अंग्रेजी की मात्रा को कैसे बढ़ा सकते हैं जिसका उपयोग विद्यार्थी भविष्य की बोलने की गतिविधियों में करेंगे?
- क्या शोर का स्तर स्वीकार्य था? क्या आपके स्कूल के अन्य शिक्षकों ने शोर के स्तरों पर प्रतिक्रिया की? यदि कोई समस्याएं हैं, तो आप उन्हें हल करने के लिए क्या कर सकते हैं?
- क्या आपने विद्यार्थियों की गलतियाँ देखीं? बोलचाल की गतिविधियों में की गई गलतियों से आप कैसे निपट सकते हैं?

गतिविधि 3 में आप इन प्रश्नों की आगे की खोजबीन करेंगे।

गतिविधि 3: बोलचाल की गतिविधियों के लिए जोड़ी और समूहकार्य का उपयोग करने की चुनौतियाँ और संभावित समाधान

बोलचाल की गतिविधियों के लिए जोड़ी और समूहकार्य का उपयोग करने की चुनौतियों के बारे में कुछ शिक्षकों की टिप्पणियाँ पढ़ें। उन्हें A, B, C और D से चिह्नित किया गया है:

A: मेरे विद्यार्थी हर समय अंग्रेजी का प्रयोग नहीं करते। वे प्रायः अपनी घर की भाषा का प्रयोग करते हैं।

B: जब मेरे विद्यार्थी जोड़ियों या समूहों में बोलचाल की गतिविधि करते हैं, तो बहुत ज्यादा शोर होताहै!

C: मैंने देखा कि मेरे कुछ विद्यार्थी सारी बातचीत करते हैं, और कुछ बिल्कुल भी नहीं बोलते। कुछ को अंग्रेजी में बोलने में बहुत कठिनाई होती है, तब भी जब मैं उन्हें प्रयोग करने के लिए शब्द और वाक्यांश देता हूँ।

D: मैं सहमत हूँ कि विद्यार्थियों द्वारा जोड़ियों और समूहों में बोलने का अभ्यास करना अच्छा विचार है, लेकिन मेरे विद्यार्थी इतने अच्छे नहीं हैं। वे हमेशा बहुत सारी गलतियाँ करते हैं।

अब कुछ अन्य शिक्षकों की कुछ सलाह पढ़ें। तय करें कि कौन सी सलाह किस चुनौती के साथ जाती है, और उसके बगल में संबद्ध अक्षर लिखें। उदाहरण के लिए, पहली सलाह उन शिक्षकों की मदद करताहै जो शोर के बारे में चिंतित हैं (B)। जब आप तैयार हों, तो संसाधन 3 में अपने उत्तरों की जाँच करें।

तालिका ***1*** *बोलचाल की गतिविधियों के लिए जोड़ी और समूहकार्य के उपयोग करने की चुनौतियों के लिए संभावित समाधान।*

यह आप पर निर्भर करता है कि आप अपने विद्यार्थियों को बताना कि शोर का स्वीकार योग्य स्तर बतायें। कमरे में घूमें और सभी समूहों और जोड़ियों पर नज़र रखें ताकि यदि कुछ विद्यार्थी शोर मचा रहे हैं या गतिविधि नहीं कर रहे हैं तो आप उन्हें तत्काल रोक सकें।	B
सुनिश्चित करें कि आप उन विद्यार्थियों की सहायता करें जिन्हें कठिनाई हो रही है। उन्हें शब्दों या वाक्यांशों के साथ अधिक मदद, या जो वे कहने जा रहे हैं उसकी योजना बनाने के लिए अधिक समय की जरूरत हो सकती है।	
विद्यार्थी अन्य विद्यार्थियों के साथ योजना बना सकते हैं ताकि वे एक दूसरे की मदद कर सकें। अपने सभी विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने का प्रयास करें ताकि वे प्रेरित और सीखने के लिए उत्सुक बने रहें।	

स्कूल में अन्य शिक्षकों और अपने मुख्याध्यापक से बात करें ताकि उन्हें पता हो कि कक्षा में क्यों शोर हो रहा है। सुनिश्चित करें कि वे समझें कि शोर अनुशासन की कमी का नहीं बल्कि सीखने की सक्रिय प्रक्रिया का परिणाम है।	
गलतियों की बहुत ज्यादा चिंता न करें। आप नोट्स बना सकते हैं और गतिविधि के बाद समूची कक्षा के साथ आम समस्याओं की समीक्षा कर सकते हैं।	
यदि शोर एक समस्या है, तो समय सीमाओं पर सहमत हों, या – यदि संभव हो – तो गतिविधि करने के लिए बाहर चले जाएँ।	
गलतियों के बारे में सकारात्मक बनें। याद रखें कि विद्यार्थियों के अभ्यास करने के लिए कक्षा एक सुरक्षित स्थान होनी चाहिए वे अपनी गलतियों से सीखते हैं और वास्तविक जीवनश में कक्षा के बाहर भाषा का उपयोग करने से पहले वे उसकी रिहर्सल करते हैं।	
जब आप कक्षा में घूमते हैं, तब विद्यार्थियों के अपनी घर की भाषा का प्रयोग करने पर नोट्स बनाएं, और गतिविधि के अंत में, आप उन्हें उनके लिए आवश्यक अंग्रेजी भाषा पढ़ा सकते हैं। विद्यार्थियों को वे शब्द नोट करने, और अपने खुद के समय में उन शब्दों की खोज करने के लिए शब्दकोश का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करें जिन्हें वे नहीं जानते हैं।	
याद रखें कि विद्यार्थियों का अपनी घर की भाषा का प्रयोग करना या भाषाओं को मिश्रित करना स्वाभाविक होता है। उन्हें जितनी संभव हो उतनी अंग्रेजी का प्रयोग करें, लेकिन यह भी समझें कि ऐसे समय होते हैं जब विद्यार्थियों के पास वह व्यक्त करने के लिए अंग्रेजी में भाषा के कौशल नहीं होते है और याद रखें कि थोड़ी सी भी अंग्रेजी बिल्कुल नहीं से तो बेहतर होती है।	

3 विद्यार्थियों को चर्चाओं में स्वतंत्र रूप से बोलने की ओर ले जाना

जब विद्यार्थी अंग्रेजी में बोलने में अधिक आश्वस्त हो जाये, तब वे चर्चाओं जैसी गतिविधियाँ कर सकते हैं। इनसे आपके विद्यार्थियों को रायों को साझा करने और सुनने के अवसर मिलेंगे। वे आपके विद्यार्थियों को अधिक स्वतंत्रता से बोलने और अपने आपको स्वयं अपने शब्दों में व्यक्त करने का अवसर भी देते हैं।

आप किसी भी कक्षा या स्तर के साथ चर्चा की गतिविधियाँ कर सकते हैं। तथापि, नोट करें कि आपको उन विषयों का चुनाव करना चाहिए जो आपके विद्यार्थियों के स्तर और उम्र के लिए उपयुक्त हों, और उन विद्यार्थियों को भाषा का अधिक सहयोग दें जिनकी अंग्रेजी अधिक कमज़ोर है। यहाँ कुछ तरीके प्रस्तुत हैं जिनसे आप अंग्रेजी में चर्चा में भाग लेने के लिए अपने विद्यार्थियों की सहायता कर सकते हैं:

- अपने विद्यार्थियों को बात करने के लिए कोई दिलचस्प विषय दें। चर्चाओं का गंभीर विषयों के बारे में होना हमेशा ही आवश्यक नहीं है। यदि आप विद्यार्थियों को विषय का चुनाव करने देते हैं, तो वे उसके बारे में बात करना अधिक आसान पा सकते हैं, और वे संभवतः अधिक प्रेरित होंगे।
- विद्यार्थियों को जो वे कहना चाहते हैं वह तथा वे शब्द या वाक्यांश जिनकी उन्हें जरूरत पड़ सकती है तैयार करने के लिए कुछ समय दें (देखें इकाई विद्यार्थी आत्मविश्वास से *अंग्रेजी भाषा बोलें*)।
- *छोटे समूहों का उपयोग करें जहाँ विद्यार्थी एक दूसरे* का सहयोग कर सकते हैं। समूहों के भीतर, सभी विद्यार्थियों को योगदान करने के लिए प्रोत्साहित करें, लेकिन विद्यार्थियों से हर चर्चा में समान रूप से योगदान करने की अपेक्षा न करें।
- चर्चा को संक्षिप्त रखें, और विद्यार्थियों से अधिक देर तक बोलने की अपेक्षा न करें। कमरे में घूमें और जब विद्यार्थी गतिविधि कर रहे हों तब सुनें। यदि आप देखते हैं कि अधिकतर विद्यार्थियों ने काम पूरा कर लिया है, तो गतिविधि समाप्त कर दें। विद्यार्थियों के पूरा खत्म करने से पहले गतिविधि को खत्म करना हमेशा उसे बहुत देर तक घसीटते रहने से बेहतर होता है। यदि गतिविधि बहुत देर तक चलती है, तो विद्यार्थी ऊब जाते हैं और उनका ध्यान विचलित हो जाता है।
- यदि विद्यार्थियों को पता हो कि वे अपने विचारों के साथ बाद में कुछ करने वाले हैं, उदाहरण के लिए रिपोर्ट या प्रस्तुतिकरण देना, तो इससे विद्यार्थियों को चर्चा पर केन्द्रित करने और ध्यान देने में मदद मिल सकती है। इसलिए आप चाहें तो चर्चा की गतिविधि के बाद लेखन गतिविधि करके अपनी गतिविधियों में परिवर्तन कर सकते हैं।

केस स्टडी **3:** सुश्री अरूणा छोटे समूहों में चर्चा करने को प्रेरित करती हैं

सुश्री अरूणा हाई स्कूल में अंग्रेजी पढ़ाती हैं। वे बतलाती हैं कि उन्होंने अपने विद्यार्थियों से विषय का चुनाव करवाकर अंग्रेजी में होने वाली एक चर्चा में उन्हें संलग्न करने का प्रयास कैसे किया।

मैं कक्षा 10 को पढ़ाती हूँ और पाठ्यपुस्तक में प्रायः चर्चाओं के लिए सुझाव होते हैं। मेरे विद्यार्थियों को चर्चाएं बहुत कठिन लगती थीं। मैं उनसे एक प्रश्न पूछती और फिर उनसे यह बताने को कहती थी कि वे क्या सोचते हैं। एक या दो विद्यार्थी उठकर खड़े होते थे और कुछ रायें देकर बैठ जाते थे। ईमानदारी से कहूँ, तो हमेशा वे विद्यार्थी ही बोलते थे। अन्य विद्यार्थी कोई राय व्यक्त नहीं करते थे।

अंत में, मैं विद्यार्थियों के कहने के लिए बोर्ड पर कुछ वाक्य लिखती थी, जैसे I think it is right to kill animals to save a human being, या In my opinion, it is not right to kill animals to save a human being। लेकिन मैं जानती थी कि वे बस मेरे वाक्यों को ऊँची आवाज़ में पढ़ रहे हैं, और अपनी असली राय तक नहीं दे रहे हैं। इस तरीके से उनके बोलने के कौशलों में कोई वास्तविक विकास नहीं हो रहा था।

मैंने एक नया तरीका आजमाने का निश्चय किया। मैंने अपने विद्यार्थियों से ऐसे कुछ विषयों के लिए पूछा जिन पर वे चर्चा करना पसंद करते हों। हमने बोर्ड पर एक सूची लिखी और हमने एक को चुना: 'Which is the best TV serial on today? Why is it the best? Is it good – or bad – for young people to watch TV serials?'

मैंने ब्लैकबोर्ड पर कुछ वाक्यांश लिखे जिनका उपयोग[2] विद्यार्थी किसी राय को व्यक्त करने के लिए, और एक दूसरे के साथ सहमत या असहमत होने के लिए कर सकते थे:

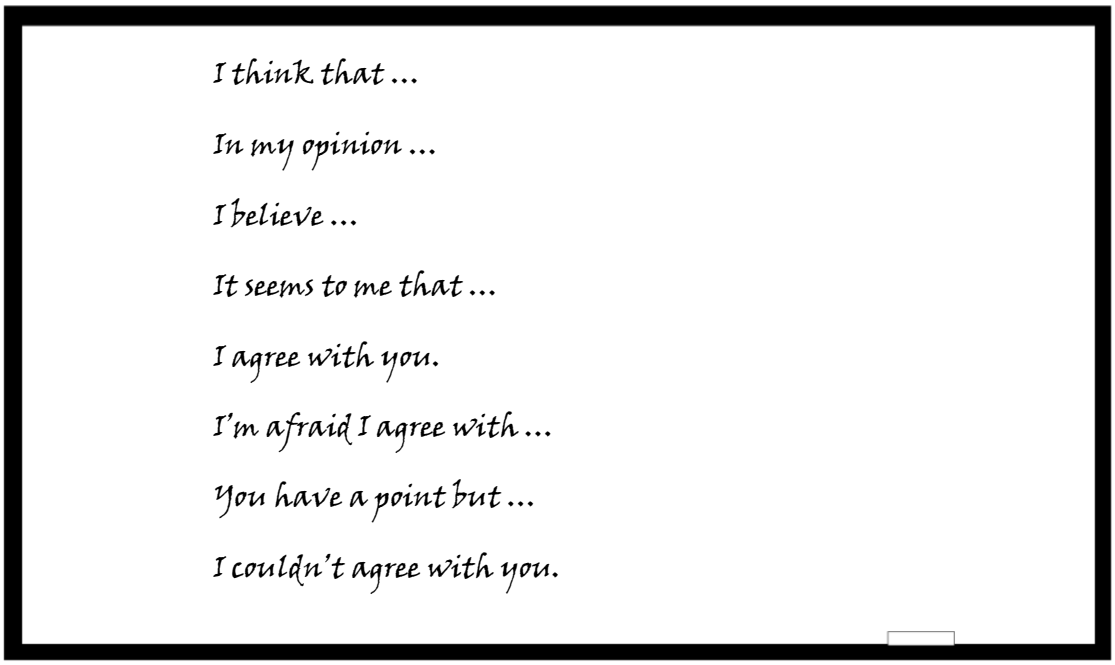

फिर मैंने विद्यार्थियों को जो कुछ वे कहना चाहते थे उसके नोट्स बनाने के लिए दो या तीन मिनट दिए। मैंने उन्हें केवल नोट्स लिखने के लिए और पाठ न लिखने के लिए प्रोत्साहित किया। फिर मैंने उन्हें कुछ आगे के निर्देश दिए:

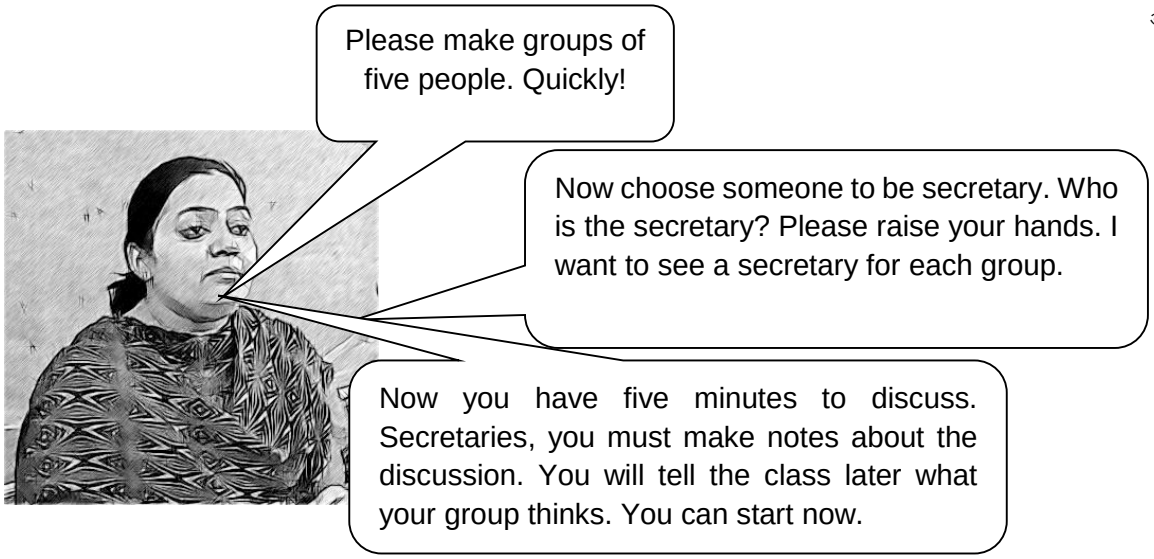

जब विद्यार्थी चर्चा कर रहे थे तब मैं कमरे में घूम रही थी और चर्चाएं सुन रही थी। मैं न तो उसमें शामिल हुई और न ही मैंने उनकी गलतियाँ सुधारीं। चर्चाएं बहुत दिलचस्प थीं! मैंने दो समूहों को सुना और व्याकरण और उच्चारण की गलतियों के बारे में कुछ नोट्स बनाए।

पाँच मिनट बाद मैंने चर्चा रोक दी और कुछ समूहों के सेक्रेटरी से चर्चा की एक संक्षिप्त रिपोर्ट सारी कक्षा को देने के लिए कहा। आम तौर पर जब अन्य लोग पढ़ते या बोलते हैं तब विद्यार्थी अधिक नहीं सुनते हैं लेकिन इस बार उन सभी को यह देखने में दिलचस्पी थी कि उनके पसंदीदा टीवी सीरियल के बारे में हर एक का क्या विचार था!

कक्षा के अंत में, मैंने व्याकरण और उच्चारण की गलतियों की समीक्षा की। मैंने वे शब्द बोर्ड पर लिखे जिनका उच्चारण विद्यार्थियों ने गलत ढंग से किया था और उनसे उन शब्दों को मेरे बोलने के बाद दोहराने को कहा। फिर मैंने बोर्ड पर उन गलतियों वाले कुछ वाक्य लिखे जो विद्यार्थियों ने की थीं और उनसे गलतियों को खोजने और सही वाक्यों को अपनी नोटबुकों में लिखने को कहा।

विद्यार्थियों को कक्षा में मज़ा आया और उन्होंने इस तरीके का उपयोग[2] करके बहुत अधिक बातचीत की। अगली बार, मैंने चर्चा के बाद एक लेखन गतिविधि करने की योजना बनाई है ताकि विद्यार्थियों को विषय के बारे में अपने विचारों को विकसित करने के लिए अधिक समय मिल सके।

गतिविधि 4: कक्षा में आजमाएं – सामूहिक चर्चाओं में भाग लेने में विद्यार्थियों की सहायता करना
अपने विद्यार्थियों के साथ सामूहिक चर्चाएं करने के लिए इन चरणों का अनुसरण करें: 1. अपने विद्यार्थियों से किसी विषय के बारे में चर्चा करने के लिए विचार साझा करने के कहें। विचारों को ब्लैकबोर्ड पर लिखें और विद्यार्थियों से हाथ उठाकर विषय चुनने को कहें। 2. ब्लैकबोर्ड पर यदि आवश्यक हो तो शब्दावली सहित कुछ उपयोगी वाक्यांश लिखें। विषय के बारे में नोट्स बनाने के लिए अपने विद्यार्थियों को चंद मिनट दें। इससे उन्हें वह तैयार करने के लिए समय मिलता है जो वे कहना चाहते हैं और जिन शब्दों की उन्हें जरूरत होती है। कमरे में घूमें और जिन्हें जरूरत हो उन विद्यार्थियों की मदद करें। 3. अपने विद्यार्थियों को चार या पाँच के छोटे समूहों में बैठने को कहें। प्रत्येक समूह से एक सेक्रेटरी चुनने को कहें जो चर्चा के दौरान नोट्स बनाएगा। 4. अपने विद्यार्थियों से विषय पर चर्चा करने को कहें। उन्हें छोटी सी समय सीमा दें। 5. जब विद्यार्थी चर्चा करें तब आपसे जितने हो सकें उतने समूहों की बातें सुनें। अधिक से अधिक समूहों की बात सुनें।यदि आप चाहें तो उनके अंग्रेजी के प्रयोग के बारे में नोट्स बना सकते हैं। विद्यार्थियों को टोकने या सही करने का प्रयास न करें – आप उनकी गलतियों को बाद में सुधार सकते हैं। 6. जब समय खत्म हो जाए तो विद्यार्थियों से रुकने के कहें। 7. प्रत्येक समूह के सेक्रेटरी से चर्चा के बारे में रिपोर्ट देने के कहें। 8. विद्यार्थियों को रिपोर्टों के बारे में कुछ प्रतिक्रिया दें। जो कुछ विद्यार्थियों ने कहा है उसका जवाब दें और सकारात्मक रहना याद रखें। आप गतिविधि के अंत में हुई गलतियों से किसी अन्य कक्षा में निपट सकते हैं।

विचार कीजिए

यहाँ इस गतिविधि को आजमाने के बाद आपके विचार करने के लिए कुछ प्रश्न दिए गए हैं। यदि संभव हो, तो इन प्रश्नों की चर्चा किसी साथी शिक्षक के साथ करें।

- अपने खुद के शब्दों का उपयोग करते हुए विषय के बारे में बात करने में आपके विद्यार्थी किस हद तक सक्षम थे?
- क्या विद्यार्थियों को पर्याप्त सहयोग मिला? यदि नहीं, तो भविष्य में आप उन्हें अधिक सहयोग कैसे दे सकते हैं?

याद रखें कि किसी अन्य भाषा में बोलना कई विद्यार्थियों के लिए कठिन होता है। प्रोत्साहक बनें और सकारात्मक प्रतिक्रिया दें। कुछ विद्यार्थियों को दूसरों से अधिक सहायता की जरूरत होती है। आप इन विद्यार्थियों को अधिक शब्द और वाक्यांश, योजना बनाने और तैयारी करने के लिए अधिक समय दे सकते हैं या उन्हें उन सहपाठियों के साथ रख सकते हैं जो उनकी मदद कर सकते हैं।

4 सारांश

अंग्रेजी में बोलने में सक्षम होना एक कौशल है जो कई विद्यार्थियों के लिए स्कूल के बाहर और परे उनके निजी और काम के जीवन में उपयोगी होगा। इस कौशल को विकसित करने के लिए, विद्यार्थियों को अंग्रेजी में बोलने के बहुत अभ्यास की जरूरत पड़ेगी। आप ऐसा करने में अपने विद्यार्थियों को जितने अधिक से अधिक अवसर प्रदान करके यह काम कर सकते हैं। ऐसा करने का एक तरीका है विद्यार्थियों को जोड़ियों या छोटे समूहों में अंग्रेजी बोलने के लिए प्रेरित करना। इसका मतलब है सभी विद्यार्थियों को अंग्रेजी कक्षा में किसी बिंदु पर बोलने का अवसर मिलता है।

आपको विद्यार्थियों को साक्षात्कारों और चर्चाओं जैसी विविध प्रकार की बोलने की गतिविधियाँ देने की भी जरूरत है। शुरू में, विद्यार्थियों को बहुत सहायता की जरूरत पड़ सकती है और उन्हें भाषा उपलब्ध कराने की आवश्यकता हो सकती है (जैसे दोहराना और जोड़ी में श्रुतलेख)। समय के बीतने के साथ विद्यार्थी कम समर्थन[3] वाली गतिविधियों में जा सकते हैं (जैसे रोल प्ले, साक्षात्कार और चर्चाएं)। इस प्रकार की गतिविधियाँ विद्यार्थियों की उन कौशलों को विकसित करने में मदद करेंगी जिनकी उन्हें अंग्रेजी में वास्तविक जीवन के वार्तालापों में भाग लेने के लिए जरूरत होती है।

बोलने की गतिविधियों के लिए अधिक विचारों के लिए, संसाधन 4 और अतिरिक्त संसाधन देखें; अपने स्वयं के बोलने के कौशल विकसित करने के तरीकों के बारे में विचारों के लिए, संसाधन 5 देखें ।

इस विषय पर अन्य माध्यमिक अंग्रेजी शिक्षक विकास इकाइयाँ ये हैं:

- *कक्षा में अंग्रेज़ी भाषा का अधिकतम प्रयोग करना।*
- *विद्यार्थी आत्मविश्वास से अंग्रेजी भाषा बोले।*

संसाधन

संसाधन 1: सभी की सहभागिता

सभी की सहभागिता का क्या अर्थ है?

संस्कृति और समाज की विविधता कक्षा में प्रतिबिंबित होती है। विद्यार्थियों की भाषाएं, रुचियां और योग्यताएं अलग-अलग होती हैं। विद्यार्थी विभिन्न सामाजिक और आर्थिक पृष्ठभूमियों से आते हैं। हम इन भिन्नताओं को नज़रअंदाज नहीं कर सकते; वास्तव में, हमें उनका उत्सव मनाना चाहिए, क्योंकि वे एक दूसरे और हमारे अपने अनुभव से परे दुनिया के बारे में अधिक जानने का जरिया बन सकते हैं। सभी विद्यार्थियों को शिक्षा पाने और सीखने का अधिकार है चाहे उनकी स्थिति, योग्यता और पृष्ठभूमि कुछ भी हो, और इसे भारतीय कानून और अंतरराष्ट्रीय बाल अधिकारों में मान्यता दी गई है। 2014 में राष्ट्र को अपने पहले संदेश में प्रधानमंत्री महोदय जाति, लिंग या आय पर ध्यान दिए बिना भारत के सभी नागरिकों का सम्मान करने के महत्व पर जोर दिया। इस संबंध में स्कूलों और शिक्षकों की बहुत महत्वपूर्ण भूमिका है।

हम सभी के दूसरों के बारे में पूर्वाग्रह और तरीके होते हैं जिन्हें हो सकता है हमने नहीं पहचाना है या संबोधित नहीं किया है। एक अध्यापक के रूप में, आप में हर विद्यार्थी की शिक्षा के अनुभव को सकारात्मक या नकारात्मक ढंग से प्रभावित करने की शक्ति है। चाहे जानबूझ कर या अनजाने में, आपके अंतर्निहित पूर्वाग्रह और तरीके इस बात को प्रभावित करेंगे कि आपके विद्यार्थी कितने समान रूप से सीखते हैं। आप अपने विद्यार्थियों के साथ असमान बर्ताव से बचने के लिए कदम उठा सकते हैं।

शिक्षा में सबको सहभागी बनाना सुनिश्चित करने के तीन मुख्य सिद्धांत

- ध्यान देना:– प्रभावी शिक्षक चौकस, सचेतन और संवेदी होते हैं; वे अपने विद्यार्थियों के परिवर्तनों को *देखते* हैं। यदि आप चौकस[7] हैं, तो आप देखेंगे कि किसी विद्यार्थी ने कब कोई चीज अच्छी तरह से की है, उसे कब मदद की जरूरत है और वह कैसे दूसरों से संबद्ध होता है। आप अपने विद्यार्थियों के परिवर्तनों को भी समझ सकते हैं, जो उनके घर की परिस्थितियों या अन्य समस्याओं में परिवर्तनों को प्रतिबिंबित कर सकते हैं। सबको शामिल करने के लिए आवश्यक है कि आप अपने विद्यार्थियों से दैनिक आधार पर मिलें, और उन विद्यार्थियों पर विशेष ध्यान दें जो अधिकारहीन महसूस कर सकते हैं या भाग लेने में अक्षम होते हैं।
- आत्म-सम्मान पर केन्द्रित:– अच्छे नागरिक वे होते हैं जो उसके साथ सहज रहते हैं जो वे हैं।[1] उनमें आत्म-सम्मान होता है, वे अपनी ताकतों और कमज़ोरियों को जानते हैं, और उनमें पृष्ठभूमि की परवाह किए बिना अन्य लोगों के साथ सकारात्मक संबंध बनाने की क्षमता होती है। वे अपने आपका सम्मान करते हैं और दूसरों का सम्मान करते हैं। एक अध्यापक के रूप में, आप किसी युवा व्यक्ति के आत्म-सम्मान पर उल्लेखनीय प्रभाव डाल सकतेहैं; उस शक्ति को जानें और उसका उपयोग हर विद्यार्थी के आत्म-सम्मान को बढ़ाने के लिए करें।
- लचीलापन:– यदि आपकी कक्षा में कोई चीज विशिष्ट विद्यार्थियों, समूहों या व्यक्तियों के लिए उपयोगी नहीं है, तो अपनी योजनाओं को बदलने या गतिविधि को रोकने के लिए तैयार रहें। लचीला होना आपको समायोजन करने में सक्षम करेगा ताकि आप सभी विद्यार्थियों को अधिक प्रभावी ढंग से शामिल करें।

वे तरीके जिनका प्रयोग आप हर समय कर सकते हैं

- अच्छे व्यवहार का अनुकरण बनना:– जातीय समूह, धर्म या लिंग की परवाह किए बिना, अपने विद्यार्थियों के साथ अच्छा बर्ताव करके उनके लिए एक उदाहरण बनें। सभी विद्यार्थियों से सम्मान के साथ व्यवहार करें और अपने अध्यापन के माध्यम से स्पष्ट कर दें कि आपके लिए सभी विद्यार्थी बराबर हैं। उन सबके साथ सम्मान के साथ बात करें, जहाँ उपयुक्त हो उनकी राय को ध्यान में रखें और उन्हें हर एक को लाभ पहुँचाने वाले काम करके कक्षा की जिम्मेदारी लेने को प्रोत्साहित करें।
- ऊँची अपेक्षाएं:– योग्यता स्थिर नहीं होती है; यदि समुचित समर्थन[3] मिले तो सभी विद्यार्थी सीख और प्रगति कर सकते हैं। यदि किसी विद्यार्थी को उस काम को समझने में कठिनाई होती है जो आप कक्षा में कर रहे हैं, तो यह न समझें कि वह कभी भी समझ नहीं सकेगा। अध्यापक के रूप में आपकी भूमिका यह सोचना है कि हर छात्र के सीखने में कसि सर्वोत्तम ढंग से मदद करें। यदि आपको अपनी कक्षा में हर एक से उच्च अपेक्षाएं हैं, तो आपके विद्यार्थियों के यह समझने की अधिक संभावना है कि यदि वे लगे रहे तो वे सीख जाएंगे। उच्च अपेक्षाएं बर्ताव पर भी लागू होनी चाहिए। सुनिश्चित करें कि अपेक्षाएं स्पष्ट हैं और कि विद्यार्थी एक दूसरे के साथ सम्मान के साथ व्यवहार करते हैं।
- अपने अध्यापन में विविधता लाएं:– विद्यार्थी विभिन्न तरीकों से सीखते हैं। कुछ विद्यार्थी लिखना पसंद करते हैं; अन्य अपने विचारों को व्यक्त करने के लिए मस्तिष्क में मानचित्र या चित्र बनाना पसंद करते हैं। कुछ विद्यार्थी अच्छे श्रावक[4] होते हैं; कुछ सबसे अच्छा तब सीखते हैं जब उन्हें अपने विचारों के बारे में बात करने का अवसर मिलता है। आप हर समय सभी विद्यार्थियों के लिए उपयुक्त नहीं हो सकते, लेकिन आप अपने अध्यापन में विविधता ला सकते हैं और विद्यार्थियों को उनके द्वारा की जाने वाली सीखने की कुछ गतिविधियों के विषय में किसी विकल्प की पेशकश कर सकते हैं।
- शिक्षा को दैनिक के जीवन से जोड़ें:– कुछ विद्यार्थियों के लिए आप उन्हें जो कुछ सीखने को कहते हैं वह उनके दैनिक के जीवन के प्रति अप्रासंगिक लगता है। आप इसे यह सुनिश्चित करके संबोधित कर सकते हैं कि जब भी संभव हो, आप शिक्षण-प्रक्रिया को उनके लिए प्रासंगिक परिवेश से संबंधित करें और उनके अपने अनुभवों से उदाहरण लें।
- भाषा का उपयोग:– जिस भाषा का आप उपयोग करते हैं उसके बारे में सावधानी से सोचें। सकारात्मक भाषा और प्रशंसा का प्रयोग करें, और विद्यार्थियों का तिरस्कार न करें। हमेशा उनके बर्ताव पर टिप्पणी करें और उन पर नहीं। आप आज मुझे कष्ट दे रहे हैंश बहुत निजी लगता है और इसे इस तरह बेहतर ढंग से व्यक्त किया जा सकता है, मैं आज आपके बर्ताव को कष्टप्रद पा रहा हूँ। क्या आपको किसी कारण से ध्यान देने में कठिनाई हो रहीहै? जो काफी अधिक मददगार है।
- घिसी-पिटी बातों को चुनौती दें:– ऐसे संसाधनों की खोज और प्रयोग करें जो लड़कियों को गैर-रूढ़िवादी भूमिकाओं में दर्शाते हैं या अनुकरणीय महिलाओं, जैसे वैज्ञानिकों को स्कूल में आमंत्रित करें। अपनी स्वयं की लैंगिक रूढ़िवादिता के प्रति सजग रहें; हो सकता है आप जानते हैं कि लड़कियाँ खेल खेलती हैं और लड़के ख्याल रखते हैं लेकिन हम अक्सर इसे भिन्न तरीके से व्यक्त करते हैं मुख्यतः इसलिए क्योंकि हम समाज में इस तरह से बात करने के आदी होते हैं।
- एक सुरक्षित, स्वागत करने वाले शिक्षा के वातावरण का सृजन करें:– यह जरूरी है कि सभी विद्यार्थी स्कूल में सुरक्षित और वाँछित महसूस करें। हर एक से परस्पर सम्मानपूर्ण और मित्रवत बर्ताव को प्रोत्साहित करके आप अपने विद्यार्थी को वाँछित महसूस कराने की स्थिति में होते हैं। इस बारे में सोचें कि स्कूल और कक्षा अलग अलग विद्यार्थियों को कैसी दिखाई देगी और महसूस होगी। इस विषय में सोचें कि उनसे कहाँ बैठने को कहा जाएगा और सुनिश्चित करें कि दृष्टि या श्रवण संबंधी दुर्बलताओं या शारीरिक विकलांगताओं वाले विद्यार्थी ऐसी

जगह बैठें जहाँ से पाठ उनके लिए सुलभ होता हो। निश्चित करें कि जो विद्यार्थी शर्मीले हैं या आसानी से विचलित हो जाते हैं वे ऐसे स्थान पर हों जहाँ आप उन्हें आसानी से शामिल कर सकते हैं।

विशिष्ट अध्यापन तरीका

ऐसे कई विशिष्ट दृष्टिकोण हैं जो सभी विद्यार्थियों को शामिल करने में आपकी सहायता करेंगे। इनका अन्य प्रमुख संसाधनों में अधिक विस्तार से वर्णन किया गया है, लेकिन एक संक्षिप्त परिचय यहाँ प्रस्तुत है:

- प्रश्न पूछना:– यदि आप विद्यार्थियों को अपने हाथ उठाने को आमंत्रित करते हैं, तो वे लोग ही उत्तर देने का प्रयत्न करते हैं। अधिक विद्यार्थियों को उत्तरों के बारे में सोचने और प्रश्नों का जवाब देने में शामिल करने के अन्य तरीके हैं। आप प्रश्नों को विशिष्ट लोगों की ओर निर्देशित कर सकते हैं। कक्षा को बताएं कि आप तय करेंगे कि कौन उत्तर देगा, फिर सामने बैठे लोगों की बजाय कमरे के पीछे और पार्श्वों में बैठे लोगों से पूछें। विद्यार्थियों को 'सोचने का समय'[1] दें और विशिष्ट लोगों से योगदान आमंत्रित करें। आत्मविश्वास का निर्माण करने के लिए जोड़ी या समूहकार्य का उपयोग[2] करें ताकि आप समग्र-कक्षा चर्चाओं में हर एक को शामिल कर सकें।
- आकलन:– रचनात्मक आकलन के लिए ऐसी तकनीकों की शृंखला का विकास करें जो हर विद्यार्थी को अच्छी तरह से जानने में आपकी मदद करेंगी। छिपी हुई प्रतिभाओं और कमियों को उजागर करने के लिए आपको सृजनात्मक होना पड़ेगा। रचनात्मक आकलन उन अनुमानों, जिन्हें कतिपय विद्यार्थियों और उनकी योग्यताओं के बारे में सामान्यीकृत दृष्टिकोणों से आसानी से बनाया जा सकता है, के बजाय सटीक जानकारी देगा। तब आप उनकी व्यक्तिगत जरूरतों के प्रति अनुक्रिया करने के लिए अच्छी स्थिति में होंगे।
- समूहकार्य और जोड़ी में कार्य:– सभी को शामिल करने के लक्ष्य[3] को ध्यान में रखते हुए सावधानी से अपनी कक्षा को समूहों में बाँटने या जोड़ियाँ बनाने के तरीकों के बारे में सोचें और विद्यार्थियों को एक दूसरे को महत्व देने के लिए प्रोत्साहित करें। सुनिश्चित करें कि सभी विद्यार्थियों को एक दूसरे से सीखने और वे जो जानते हैं उसमें आत्मविश्वास का निर्माण करने का अवसर मिले। कुछ विद्यार्थियों में छोटे समूह में अपने विचारों को व्यक्त करने और प्रश्न पूछने का आत्मविश्वास होता है, लेकिन संपूर्ण कक्षा के सम्मुख नहीं।
- विभेदन:– अलग अलग समूहों के लिए अलग अलग कार्य तय करने से विद्यार्थियों को जहाँ वे हैं वहाँ से शुरू करने और आगे बढ़ने में मदद मिलेगी। खुले-सिरे[4] वाले कार्यों को करने से सभी विद्यार्थियों को सफल होने का अवसर मिलेगा। विद्यार्थियों को कार्य का विकल्प प्रदान करने से उन्हें अपने काम के स्वामित्व को महसूस करने और अपनी स्वयं की शिक्षण-प्रक्रिया के लिए दायित्व लेने में सहायता मिलेगी। व्यक्तिगत शिक्षण आवश्यकताओं को ध्यान मेंरखना, विशेष रूप से बड़ी कक्षा में, कठिन होता है, लेकिन विविध प्रकार के कामों और गतिविधियों का उपयोग करके ऐसा किया जा सकता है।

संसाधन 2: रोल–प्ले के लिए संसाधन

यह नाटिका एक रेस्टोरेंट के दृश्य पर आधारित है। नाटिका के लिए आप ब्लैकबोर्ड पर मेन्यू लिख सकते हैं या अपने विद्यार्थियों से अपने खुद के मेन्यू बनाने को कह सकते हैं।

यहाँ एक छोटे रेस्टोरेंट का मेन्यू प्रस्तुत है:

EveryReady Restaurant	
Rolls	
Chicken roll	Rs. 40
Egg roll	Rs. 30
Vegetarian roll	Rs. 20

युवा लोगों का एक समूह रेस्टोरेंट में प्रवेश करता है और मेन्यू देखता है। उन्हें दिए गए मेन्यू में से दो रोल चुनने हैं। उनके पास कुछ शर्तें हैं: उनमें से दो लोग शाकाहारी हैं, और अन्य लोग मांसाहारी रोल खाना पसंद करते हैं। उनमें से दो के पास प्रति व्यक्ति 50 रु. हैं और अन्य तीन में से प्रत्येक के पास 30 रु. हैं। चार के समूहों में भूमिकाएं लें और आप निम्नलिखित या स्वयं अपने शब्दों और वाक्यांशों का उपयोग कर सकते हैं:

1 सोचने
2 प्रयोग

3 लक्ष्य
4 विकल्प

- 'I prefer … to …'
- 'I am a …'
- 'I don't like …'
- 'I like …'
- 'We also … juice.'
- 'No. That's not a good idea.'
- 'Let me suggest …'

संसाधन 3: बोलने की गतिविधियों के लिए जोड़ी और समूह में कार्य का उपयोग करने की कुछ चुनौतियों से निपटना

*तालिका **R2.1** बोलने की गतिविधियों के लिए जोड़ी और समूहकार्य का उपयोग करने की कुछ चुनौतियों के लिए संभावित समाधान – पूरा किया गया संस्करण।*

आपके विद्यार्थियों को बताना कि शोर का स्वीकार योग्य स्तर क्या है यह आप पर निर्भर करता है। कमरे में घूमें और सभी समूहों और जोड़ियों पर नज़र रखें ताकि यदि कुछ विद्यार्थी शोर मचा रहे हैं या गतिविधि नहीं कर रहे हैं तो आप उन्हें तत्काल रोक सकें।	B
सुनिश्चित करें कि आप उन विद्यार्थियों की सहायता करें जिन्हें कठिनाई हो रही है। उन्हें शब्दों या वाक्यांशों के साथ अधिक मदद, या जो वे कहने जा रहे हैं उसकी योजना बनाने के लिए अधिक समय की जरूरत हो सकती है।	C
विद्यार्थी अन्य विद्यार्थियों के साथ योजना बना सकते हैं ताकि वे एक दूसरे की मदद कर सकें। अपने सभी विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने का प्रयास करें ताकि वे प्रेरित और सीखने के लिए उत्सुक बने रहें।	C
स्कूल में अन्य शिक्षकों और अपने मुख्याध्यापक से बात करें ताकि उन्हें पता हो कि कक्षा में क्यों शोर हो रहा है। सुनिश्चित करें कि वे समझें कि शोर अनुशासन की कमी का नहीं बल्कि सीखने की सक्रिय प्रक्रिया का परिणाम है।	B
गलतियों की बहुत ज्यादा चिंता न करें। आप नोट्स बना सकते हैं और गतिविधि के बाद समूची कक्षा के साथ आम समस्याओं की समीक्षा कर सकते हैं।	D
यदि शोर एक समस्या है, तो समय सीमाओं पर सहमत हों, या – यदि संभव हो – तो गतिविधि करने के लिए बाहर चले जाएँ।	B
गलतियों के बारे में सकारात्मक बनें। याद रखें कि विद्यार्थियों के अभ्यास करने के लिए कक्षा एक सुरक्षित जगह होती है – वे अपनी गलतियों से सीख सकते हैं और भाषा का कक्षा से बाहर वास्तविक जीवन में उपयोग करने से पहले उसका रिहर्सल कर सकते हैं।	D
जब आप कक्षा में घूमते हैं, तब विद्यार्थियों के अपनी घर की भाषा का उपयोग [2] करने पर नोट्स बनाएं, और गतिविधि के अंत में, आप उन्हें उनके लिए आवश्यक अंग्रेजी पढ़ा सकते हैं। विद्यार्थियों को वे शब्द नोट करने, और अपने खुद के समय में उन शब्दों की खोज करने के लिए शब्दकोश का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करें जिन्हें वे नहीं जानते हैं।	A
याद रखें कि विद्यार्थियों का अपनी घर की भाषा का उपयोग करना या भाषाओं को मिश्रित करना स्वाभाविक होता है। उन्हें जितनी अधिक हो सके उतनी [3] अंग्रेजी का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करें, लेकिन यह भी समझें कि ऐसे समय होते हैं जब विद्यार्थियों के पास वह व्यक्त करने के लिए अंग्रेजी में वह भाषा नहीं होती जो वे कहना चाहते हैं,[4] और याद रखें कि थोड़ी सी भी अंग्रेजी बिल्कुल नहीं से तो बेहतर होती है।	A

संसाधन 4: बोलने की गतिविधियाँ

यहाँ पर अंग्रेजी कक्षा के लिए बोलने की गतिविधियों के लिए कुछ TeachingEnglish लिंक्स दिए गए हैं:

- Speaking activities: http://www.teachingenglish.org.uk/activities/speaking-activities
- Fluency activities for higher levels: http://www.teachingenglish.org.uk/language-assistant/teaching-tips/fluency-activities-higher-levels
- Fluency activities for lower levels: http://www.teachingenglish.org.uk/language-assistant/teaching-tips/fluency-activities-lower-levels
- Group discussion skills: http://www.teachingenglish.org.uk/articles/group-discussion-skills
- Student presentations: http://www.teachingenglish.org.uk/articles/student-presentations
- Role play: http://www.teachingenglish.org.uk/articles/role-play

संसाधन 5: स्वयं अपनी अंग्रेज़ी का विकास करें

यहाँ आपके अपने बोलने के कौशलों को विकसित करने के लिए कुछ सुझाव और लिंक्स दिए गए हैं:

- आपसे जितनी हो सके उतनी अधिक अंग्रेजी भाषा सुनें, उदाहरण के लिए रेडियो या इंटरनेट पर।
- यदि संभव हो तो अंग्रेजी भाषा में फिल्में या टीवी कार्यक्रम देखें।
- अंग्रेजी पाठों को ऊँची आवाज में पढ़कर स्वयं को सुनाएं। यदि संभव है, तो अपने आप को रिकार्ड करें और उसे सुनें। फिर इसे दोबारा करें!
- आपके सहयोगियों या जो कोई भी अंग्रेजी बोलता है उसके साथ बोलने का अभ्यास करें। कदाचित आप एक स्थानीय इंग्लिश क्लब शुरू कर सकते हैं जहाँ आप प्रति सप्ताह एक घंटे के लिए अंग्रेजी में चैट कर सकते हैं?

Better Speaking वार्तालाप के कौशलों को सुधारने के बारे में बीबीसी की वर्ल्ड सर्विस द्वारा एक सिरीज: http://www.bbc.co.uk/worldservice/learningenglish/webcast/tae_betterspeaking_archive.shtml

अतिरिक्त संसाधन

यहाँ पर बोलने के कौशलों को विकसित करने और मूल्यांकन करने के बारे में अंग्रेजी के अध्यापकों के लिए लेखों और सुझावों के लिए कुछ लिंक्स उपलब्ध हैं:

- Developing speaking activities: http://www.nclrc.org/essentials/speaking/developspeak.htm
- Overcoming classroom problems: http://www.teachingenglish.org.uk/articles/teaching-speaking-skills-2-overcoming-classroom-problems
- Evaluating speaking: part 1, http://www.teachingenglish.org.uk/articles/evaluating-speaking; part 2, http://www.teachingenglish.org.uk/articles/evaluating-speaking-part-2
- For an example of using pair work in a multi-level classroom, see Chitra from Gangotri Public School in Seelampur, East Delhi (example 26): http://www.stireducation.org/sites/default/files/mi-reports/Micro-innovation%20booklet%20(Delhi%202012).pdf
- 'Speaking for better communication': http://orelt.col.org/module/2-speaking-better-communication

संदर्भ/संदर्भग्रंथ सूची

National Council of Educational Research and Training (2005) *National Curriculum Framework*, National Council of Educational Research and Training. Available from:

http://www.ncert.nic.in/rightside/links/pdf/framework/english/nf2005.pdf (accessed 25 September 2014).

National Council of Educational Research and Training (2006a) *Beehive: Textbook in English for Class IX*, National Council of Educational Research and Training. Available from: http://www.ncert.nic.in/NCERTS/textbook/textbook.htm (accessed 26 September 2014).

STIR Education (2012) *Final Selection of Micro-innovations for the 2012 First STIR India (Delhi) Cohort* (online), October. Available from: http://www.stireducation.org/sites/default/files/mi-reports/Micro-innovation%20booklet%20(Delhi%202012).pdf (accessed 26 September 2014).

अभिस्वीकृतियाँ

यह सामग्री क्रिएटिव कॉमन्स एट्रिब्यूशन-शेयरएलाइक लाइसेंस (http://creativecommons.org/licenses/by-sa/3.0/) के अंतर्गत उपलब्ध कराई गई है, जब तक कि अन्यथा निर्धारित न किया गया हो। यह लाइसेंस TESS-India, OU और UKAID लोगो के उपयोग को वर्जित करता है, जिनका उपयोग केवल TESS-India परियोजना के भीतर अपरिवर्तित रूप से किया जा सकता है।

कॉपीराइट के स्वामियों से संपर्क करने का हर प्रयास किया गया है। यदि किसी को अनजाने में अनदेखा कर दिया गया है, तो पहला अवसर मिलते ही प्रकाशकों को आवश्यक व्यवस्थाएं करने में हर्ष होगा।

वीडियो (वीडियो स्टिल्स सहित): भारत भर के उन अध्यापक शिक्षकों, मुख्याध्यापकों, अध्यापकों और विद्यार्थियों के प्रति आभार प्रकट किया जाता है जिन्होंने उत्पादनों में दि ओपन यूनिवर्सिटी के साथ काम किया है।